पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

घोंघा बसंत सम्मेलन में सम्मिलित हुए राज्यपाल
व्यंग्य का आशय हंसाने और विनोद के लिए होना चाहिए - श्री नाईक

लखनऊः 1 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज रवीन्द्रालय में संस्था रंग भारती द्वारा आयोजित 'घोंघा बसन्त सम्मेलन' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने वरिष्ठ व्यंग्यकार एवं साहित्यकार श्री जमुना प्रसाद उपाध्याय को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रंग भारती के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री श्याम कुमार जी का अपना एक अलग व्यक्तित्व है। अपनी बात लगातार लोगों के सामने रखने का परिणाम है कि पहली बार राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन किया। उत्तर प्रदेश दिवस का श्रेय लखनऊ के श्री श्याम कुमार एवं मुंबई के श्री अमरजीत मिश्र को जाता है। उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े प्रदेश को उत्तर प्रदेश दिवस के आयोजन से उसका गौरव और नई पहचान मिली है।

राज्यपाल ने हास्य कवि सम्मेलन को तनाव भरी जिन्दगी में हंसने-हंसाने का माध्यम बताया। व्यंग्य का आशय हंसाने और विनोद के लिए होना चाहिए न कि किसी का अपमान करने के लिए। राज्यपाल ने कविता की दो पंक्ति उद्धृत करते हुए कहा कि जो न देखे रवि, वह देखे कवि। कविता के शब्दों में ताकत होती है। इस अवसर पर राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि वे एक लोकप्रिय कवि थे और संसद में अक्सर उन्हें कविता के रूप में जवाब देते हुए सुना है। श्री नाईक ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा जी व अटल जी के बीच एक संवाद प्रसंग भी सुनाया कि कैसे अटल जी चुटकी लेते थे।

कवि सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आये कवियों ने अपनी हास्य रचनाएं भी प्रस्तुत की।

अंजुम/ललित/राजभवन (130/2)